www.sarkaridoctor.com
www.fb.com/sarkaridoctor
sarkaridoctor@gmail.com

बूस्टर डोज़

Sarkari Doctor
Booster Dose

CONNECTING DOCTORS

Sept. 2018 Edition
Rajasthan Module
Volume T2 (test2)

भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना (BSBY)

राजस्थान की भाजपा सरकार की 13 दिसंबर 2015 को प्रारम्भ की गयी एक महत्वकांक्षी योजना है जिसमें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA), राष्ट्रिय बीमा सुरक्षा योजना (RBSY) के लाभार्थियों और BPL लोगों को अस्पताल में भर्ती होने पर होने वाली सभी जांचें (सात दिवस में), इलाज, दवाइयां आदि मुफ्त प्रदान की जाती हैं, साथ ही डिस्चार्ज के समय पन्द्रह दिन तक की दवाइयां भी दी जाती हैं, योजना प्रदेश के एक करोड़ परिवारों को कवर करती है।

श्री नवीन जैन (एमडी एनएचएम), स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के सीईओ हैं तथा श्री आशीष मोदी इसके जॉइंट सीईओ हैं।

भामाशाह योजना का करार देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कम्पनी "न्यू इंडिया एश्योरेंस (NIA) लिमिटेड" से है जिसके तहत सरकार कम्पनी को 1261 रुपये प्रति परिवार, वार्षिक प्रीमियम चुकाती है।

इस योजना में कुल 1401 बीमारियों का इलाज किया जाता है जिनमें से 663 बीमारियाँ गंभीर श्रेणी की हैं जिनके लिए तीन लाख रुपये तथा शेष 738 तरह की सामान्य बीमारियों के लिए तीस हजार रुपये तक का इलाज किया जाता है (राशी वार्षिक है), इस योजना में 500 सरकारी अस्पतालों में चल रही है तथा 700 प्राइवेट अस्पताल अनुबंधित किये गए हैं। इस योजना से छोटे कस्बों में भी सर्जरी होने लगी हैं, हालाँकि बड़े अस्पताल कुछ छोटे पैकेजों से असंतुष्ठ भी हैं।

हालांकि सरकारी अस्पतालों में स्टाफ एवं गुणवत्ता की कमी योजना में बाधक है, साथ ही कुछ प्राइवेट अस्पतालों द्वारा पूरी सुविधा नहीं देना, महंगे चार्ज लगाना, ज्यादा बेड संख्या दिखाना, वास्तविक से ज्यादा दिन का ठहराव दर्शाना, दवा दिए बिना ही बिल में जोड़देना, छोटा ओपरेशन करके बड़े के पैसे जोड़ना (जैसे लेजर के बजाय नाइफ सर्जरी करना) आदि कई विषय हैं जिन पर नजर रखना जरुरी है।
अभी तक करीब 22 लाख लाभार्थियों को कैशलेस और मुफ्त इलाज इस योजना के तहत दिया जा चुका है तथा वर्तमान में करीब दो करोड़ रुपये प्रतिदिन के क्लैम जारी किये जा रहे हैं।

योजना के बारे में कोई भी अतिरिक्त जानकारी टोल फ्री नंबर 1800-180-6127 पर कॉल करके या फिर वेबसाइट health.rajasthan.gov.in/bsby से ली जा सकती है।

Inside this issue

1 - भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना
2 - संपादकीय
3 - MOHFW
4 - Coming days
5 - SKOCH Award
6 - HealthCare Summit
7 - PMJAY (Various)
8 - Daughters are Precious
9 - Key Person
10 - Knowledge
11 - राजस्थान
12 - Doctor Wise
13 - Uncontrolled Trial
14 - ARISDA

Catchy

बहन का भाई के नाम खत

Page No : 10

Important task to do

Submit IPR Online

Immovable Property Report

(Within October Month)

अस्पतालों पर मंडराते छुटभैयों के बादल

अस्पताल ऐसी संस्था है जहाँ आपातकालीन मरीजों को देखा जाता है, सामान्य मरीजों का ओपीडी समय में इलाज किया जाता है, कुछ मरीजों को वार्ड में ही भर्ती रखके इलाज किया जाता है, जांचें एवं दवा वितरण किया जाता है, संस्था से बाहर जाकर कैम्प व टीकाकरण सत्र किये जाते हैं और रिसर्च की जाती हैं व ट्रेनिंग आदि सेवाएँ दी जाती है ।

अस्पताल में कार्यरत स्टाफ उच्च शिक्षित तथा अपने कार्यों में दक्ष होता है, उसका कार्यक्षेत्र केवल अस्पताल परिसर है जहाँ वो अस्पताल की केटेगरी (प्राथमिक / सामुदायिक / जिला स्तर / मेडिकल कॉलेज) के अनुसार कार्य करता है।

आज की परिस्थिति में अगर सरकारी चिकित्सा सेवाओं को जाँचा जाये तो पायेंगे कि हर अस्पताल संसाधनों की कमी से जूझ रहा है, चाहे वो मानव संसाधन हो या इंफ्रास्ट्रक्चर या आधारभूत अन्य सुविधाएँ, इनमें से काफी संसाधनों की कमी का कारण राज्य सरकारों की अनदेखी है, साथ ही कुछ समस्याओं का कारण स्थानीय प्रशासनिक लचरता भी है जिसमें अहम् किरदार अस्पताल के इन्चार्ज का रहता है। संसाधनों की कमी के कारण मरीजों का दवाब संस्था पर बढ़ता है और इससे अनचाही घटनाएँ होती हैं जैसे कि मरीजों और स्टाफ के बीच तनातनी, स्टाफ में खीज आदि और वस्तुतः इनसे अस्पताल की सेवाओं में देरी होती है अथवा सेवाओं में कमी आती है।

इन्हीं सब घटनाओं के बीच अवतरित होते हैं छुटभैये। अस्पतालों के परिदृश्य में ये लोग नजदीकी दुकानों पर बैठने वाले अथवा मेडिकल स्टोरों पर मुफ्त की चाय खींचने वाले लोग होते हैं, जो इंतजार करते रहते हैं की कब कोई तनातनी हो और वे वहां पहुंचकर तेज आवाज में बोलकर माहौल बनावें और अस्पताल की व्यवस्थाओं, जो की इनके हिसाब से भयंकर अव्यवस्थाएं हैं, उनकी पोल खोलें। अब इसमें छुटभैयों के क्या लाभ हुआ भला ? अजी एक तो ये मरीजों के सामने अपने आपको हीरो की तरह पेश करते हैं, साथ ही इस बहाने से ये अस्पताल स्टाफ को दवाब में रखने का प्रयास करते हैं ताकि स्टाफ इन्हें वीआईपी माने और जी हुजूरी करे। अस्पताल के बाहर मंडराते रहने से यहाँ की हर बारीक खबर इनके पास रहती है, कई बार स्टाफ की अंदरूनी कलह से भी इनके पास खबरें पहुँचती हैं, अथवा किसी एक स्टाफ द्वारा दूसरे को नीचा दिखाने के लिए भी इन छुटभैयों का इस्तेमाल हथियार के रूप में किया जाता है, जो की एक गंभीर विषय है।

ये छुटभैये कुछ बड़े अधिकारियों के मोबाइल नंबर भी रखते हैं और हर छोटी घटना पर वहां फोन लगा उसे बड़ा बनाकर पेश करते हैं, कई बार इस कारण स्टाफ की सुंताई अधिकारियों द्वारा हो जाती है। चुनावी मौसम में इन छुटभैयों की पौ-बारह हो जाती हैं, इस मौसम में ये खूब दबंगई दिखाते हैं। इन छुटभैयों की अपने घर-परिवार में कोई इज्जत नहीं होती है अतः ये अपनी भड़ास अस्पतालों में निकालते हैं, चूँकि अन्य विभागों में तो वहां का स्टाफ इन्हें लगाता है जूत, सो ये वहां जाते नहीं हैं लेकिन अस्पताल एक मानवता का मंदिर है और शांति की जगह, जहाँ चिकित्सक या नर्सिंगकर्मी इनसे उलझते नहीं है, सो इनके भाव बढ़ते हैं। तो इनसे निपटा कैसे जाये ? कई अस्पताल इन्चार्ज इनकी जी हुजूरी करते दिखते हैं, कुछ इन्हें पनपने ही नहीं देते हैं, कुछ इनके जूत बजाते हैं, लेकिन पूरे अस्पताल स्टाफ को अपना काम ईमानदारी से करते हुए एकजुट रहते हुए इनका निदान करना चाहिए ताकि मरीजों का हो सही इलाज और अस्पताल हो छुटभैया मुक्त।

Editor
Sarkari Doctor

Scan me

POINT AND SHARE
Now, open Booster Dose Newsletter on your Smartphone instantly by scanning this code. You will be guided instantly to our website, www.sarkaridoctor.com. This is useful to share our stories on social media or email them.

प्रधानमंत्री ने की आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ाने की घोषणा

आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में केंद्र के हिस्से में वृद्धि करते हुए, आशाओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाकर लगभग दोगुना करने तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय 3000 रुपये से बढ़ा कर 4500 रुपये करने का फैसला किया है। आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से नरेंद्र मोदी ऐप एवं वीडियो लिंक के माध्यम से संवाद के दौरान प्रधानमंत्री ने बताया कि जिन आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय 2250 रुपए था, उन्हें अब 3500 रुपए मिलेंगे. इसके अलावा आंगनवाड़ी सहायिकाओं को 1500 रुपए के स्थान पर 2250 रुपये मिलेंगे। रूटीन एक्टिविटीज के लिए आशाओं को अब एक हजार के बजाय दो हजार रुपये मिलेंगे। साथ ही बीमा योजनाओं का लाभ भी दिया जायेगा।

	Activity	Existing Monthly Incentive	Revised Monthly Incentive
1	Line listing of households done at beginning of the year and updated after six months.	100	300
2	Maintaining village health register and supporting universal registration of births and deaths to be updated on monthly basis.	100	300
3	Preparation of due list of children to be immunised to be updated on monthly basis.	100	300
4	Preparation of list of ANC beneficiaries to be updated on monthly basis.	100	300
5	Preparation of list of eligible couples to be updated on monthly basis	100	300
	TOTAL	**500**	**1500**

मेडिकल काउंसिल ऑफ़ इंडिया भंग, बनाया प्रशासक बोर्ड

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता वाकी बैठक में केन्द्र सरकार ने एमसीआई को भंग कर दिया और एक सात सदस्यीय बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (बी ओ जी) के गठन को मंजूरी दे दी गयी। नेशनल मेडिकल आयोग विधेयक (एनएमसी) के गठन तक यह बोर्ड ही सभी कार्य देखेगा, एनएमसी अभी लोकसभा में लंबित है। एमसीआई को भंग किये जाने पर चिकित्सकों की मिली जुली प्रतिक्रियाएं मिली हैं, लेकिन सभी का मानना है की चिकित्सक हितों को मद्देनजर रखते हुए एनएमसी का सशक्त गठन हो। चूरु में चिकित्सकों ने एमसीआई को भंग किये जाने के विरोध में कैंडल मार्च निकाला, इनमें डॉ. महेन्द्र, डॉ. सक्सेना, डॉ. जेपी, डॉ. गौरी, डॉ. सहारण आदि मुख्य थे।

प्राइवेट डॉक्टरों को मिलेगा टीबी की जानकारी देने पर पैसा

टीबी दुनिया की सबसे बड़ी बिमारियों में से एक है जिसमें सबसे बड़ा योगदान भारत का है, इसलिए जरुरी है कि टीबी के मरीज खोजें जाएँ, मिलते ही उनका इलाज प्रारंभ किया जावे और फिर इलाज के बाद उन पर एवं परिवार जनों पर नजर रखकर फोलोअप जांचें करवाई जावें। इसी क्रम में भारत सरकार के चिकित्सा एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्राइवेट डॉक्टरों के लिए इंसेंटिव की घोषणा की गयी है जिसके तहत टीबी का मरीज मिलते ही उसकी सूचना देने पर 500 /- तथा इलाज पूर्ण होने के बाद इलाज का आउटकम बताने पर अतिरिक्त 500 /- देय होंगें। योजना 1 अप्रेल 2018 से प्रभावी है।

टिटेनस वैक्सीन हुआ और भी मजबूत, डिप्थेरिया आया साथ में (TT+Td)

नेशनल टेक्निकल अडवाइजरी ग्रुप ओन इम्युनाइजेशन (NTAGI) की सलाह पर भारत सरकार ने निश्चय किया है की रूटीन इम्युनाइजेशन में टिटेनस टॉक्साइड (TT) में अब अडल्ट डिप्थेरिया वैक्सीन (Td) जोड़ा गया है यानि TT होगा (TT+Td) से रिप्लेस। ज्ञात है की TT वैक्सीन गर्भवती महिलाओं और 10/16 साल की उम्र में लगाया जाता है। इसके लिए चिकित्सा कर्मियों को ट्रेनिंग्स कराई जाएँगी तथा समुचित प्रचार-प्रसार किया जायेगा।

Lifestyle diseases in India

Indian Council of Medical Research (ICMR) and other Institutes conduct studies on Lifestyle disease. According to ICMR India State-Level Disease Burden Study report "India: Health of the Nation's States", the estimated proportion of all deaths due to Non-Communicable Diseases (NCDs) has increased from 37.09% in 1990 to 61.8% in 2016. As per the National Family Health Survey (NFHS); 2015-16, 11% of women (1 in 10) and 15% of men (1 in 7) of age 15-49 are hypertensive. The survey also found that about 60.4% of persons screened have ever had their blood pressure measured. As per ICMR's cancer registry data, the estimated incidences of cancer patients in India are 13,28,229, 13,88,397, 14,51,417 and 15,17,426 during the years 2014, 2015, 2016 and 2017, respectively. While estimated deaths due to cancer during these years are 670541, 701007, 732921 and 766348, respectively.

The Government has formulated the National Health Policy, 2017, which aims attainment of the highest possible level of good health and well-being for all at all ages, through a preventive and promotive health care orientation in all the developmental policies, and universal access to good quality health care services without anyone having to face financial hardship as a consequence. The policy seeks to move away from Sick- care to Wellness, with thrust on prevention and Health promotion. The policy, inter alia, seeks to reduce premature mortality from cardiovascular diseases, cancer, diabetes or chronic respiratory diseases.

Government of India is also implementing National Programme for Prevention and Control of Cancer, Diabetes, Cardiovascular Diseases and Stroke (NPCDCS) under the National Health Mission. The objective of the programme includes awareness generation for Cancer prevention, screening, early detection and referral to an appropriate level institution for treatment. For Cancer, the focus is on three Cancer namely breast, cervical and oral.

Further, for early diagnosis, population level initiative of prevention, control and screening of common NCDs (diabetes, hypertension and cancers viz. oral, breast and cervical cancer) has been rolled out in over 150 districts of the country in 2017-18 under NHM, as a part of comprehensive primary healthcare. This initiative will not only help in early diagnosis but also will generate awareness on risk factors of common NCDs.

Strongly committed towards eliminating Viral Hepatitis by 2030: J P Nadda

MoHFW has launched the 'National Viral Hepatitis Control Program', with the goal of ending viral hepatitis as a public health threat by 2030 in the country. The aim of the initiative is to reduce morbidity and mortality due to viral hepatitis. The key strategies include preventive and promotive interventions with focus on awareness generation, safe injection practices and socio-cultural practices, sanitation and hygiene, safe drinking water supply, infection control and immunization; co-ordination and collaboration with different Ministries and departments; increasing access to testing and management of viral hepatitis; promoting diagnosis and providing treatment support for patients of hepatitis B &C through standardized testing and management protocols with focus on treatment of hepatitis B and C; building capacities at national, state, district levels and sub-district level up to Primary Health Centres (PHC) and health and wellness centres such that the program can be scaled up till the lowest level of the healthcare facility in a phased manner.

Prohibition and restriction of Fixed Dose Combinations (FDCs)

The Ministry of Health and Family Welfare has prohibited the manufacture for sale, sale or distribution for human use of 328 Fixed Dose Combinations (FDCs) with immediate effect. Earlier, the Central Government had, through its notifications published on the 10th March, 2016 in the Gazette of India, prohibited the manufacture for sale, sale and distribution for human use of 344 FDCs under section 26 A of the Drugs and Cosmetics Act, 1940. Subsequently, the Government had prohibited five more FDCs in addition to the 344 under the same provisions. However, the matter was contested by the affected manufacturers in various High Courts and the Supreme Court of India.

Statement showing healthcare infrastructure in Rural Areas

Sub Centre, PHCs and CHCs in rural areas (As on 31st March 2017)

STATE	SUB CENTER	PHC	CHC
Rajasthan	14406	2079	579

Statement showing Health Human Resources (Government) in rural area (As on 31st March 2017)

STATE	No. of Doctors at PHC	Total Specialists at CHC	Health Assistants at PHCs		Health Workers at SCs		Nursing Staff at PHCs, CHCs
			Male	Female	Male	Female/ANM	
Rajasthan	2382	497	34	1106	1159	14271	9311

Source: Rural Health Statistics, 2017

Shri Manoj Jhalani, AS & MD (NHM) selected for UNIATF Award

Shri Manoj Jhalani, Additional Secretary & Mission Director (NHM), Ministry of Health and Family Welfare, has been conferred with the prestigious UN Interagency Task Force (UNIATF) Award for his outstanding contribution towards prevention and control of non-communicable diseases (NCDs) and related Sustainable Development Goals.

This award conferred to Shri Manoj Jhalani during the Third High-level meeting of the UN General Assembly at the event organized by the Task Force on 27th September held at New York. The United Nations Interagency Task Force (UNIATF) on the Prevention and Control of NCDs coordinates the activities of relevant UN organizations and other inter-governmental organizations to support Governments to meet high-level commitments to respond to NCD epidemics worldwide. The commitments were made by Heads of State and Government in the 2011 Political Declaration on NCDs. The Task Force was established by the UN Secretary-General in June 2013 and placed under the leadership of WHO.

India retains WHO Regional Director position

India retained the top WHO position in South-East Asia Region with Dr. Poonam Khetrapal Singh unanimously re-elected as Regional Director for another five-year term beginning February 2019. The elections were held at the Regional Committee meeting of WHO South-East Asia on 5th September. Dr Singh is the first woman to have been elected to the position of Regional Director for WHO South-East Asia Region after an illustrious career in the Indian civil service, World Bank and WHO.

Coming Days

October Health Days

Date	Day	Remarks
01 October 2018	World Elderly Day	The day is celebrated every year to make certain the welfare of elder persons as well as to enrol their significant involvement in the society to get promoted from their knowledge and ability. The theme of 2018 is "Celebrating Older Human Rights champions".
01 October 2018	National Voluntary Blood Donation Day	Celebrated in India every year to share the need and importance of the blood in the life of an individual.
01 October 2018	World Habitat Day	The purpose of World Habitat Day is to reflect on the state of our towns and cities, and on the basic right of all to adequate shelter. The theme for World Habitat Day 2018 is Municipal Solid Waste Management.
04 October 2018	World Animal Welfare Day	A social movement charged with the Mission of raising the status of animals in order to improve welfare standards around the globe.
11 October 2018	World Mental Health Day	Overall objective of raising awareness of mental health issues around the world and mobilizing efforts in support of mental health. 2018 WMHDAY campaign on Young People and Mental Health in a Changing World.
12 October 2018	World Arthritis Day	Raise and promote awareness of the symptoms connected to rheumatic and musculoskeletal diseases (RMDs) and the importance of gaining early diagnosis.
15-19 October 2018	World Obesity Awareness Week	Raising awareness about the prevalence, severity and diversity of weight stigma. Stigma occurs in a wide variety of settings and the media has been identified as one of the main perpetrators.
16 October 2018	World Anaesthesia Day	#TheRightStuff campaign to raise awareness of the need for appropriate anaesthesia equipment.
16 October 2018	World Food Day	Day of action dedicated to tackling global hunger.
17 October 2018	International Day against Poverty	Theme: "Coming together with those furthest behind to build an inclusive world of universal respect for human rights and dignity"
20 October 2018	World Malaria Day	Theme: "Ready to beat malaria".
21 October 2018	World Iodine Deficiency Day	Generate awareness of the adequate use of iodine and to highlight the consequences of iodine deficiency.
24 October 2018	UN Day	UN Day marks the anniversary of the entry into force in 1945 of the UN Charter.

SKOCH development foundation, established in 2008, this is an autonomous, policy oriented, not for profit policy think tank. The Foundation has been established as a "Not for Profit" Company under Section 25 of the Companies Act, 1956. It does not undertake any commercial activity.

It is recognized by the Government of India as a "Charitable Organization" under Section 12AA of the Income Tax Act, 1961. The Foundation also qualifies for exemptions under section 80G of the Income Tax Act, 1961.
The Foundation ensures transparency, accountability and adherence to corporate governance norms. Its main focus is empowering the marginalized and making inclusive development a reality by undertaking various research and grassroots intervention projects.
The Foundation lays emphasis on Social, Digital and Financial Inclusion; strengthening of delivery systems and ensuring a transparent, participatory democracy for bringing about a systemic change. Its founder members have during the past ten years traveled extensively across the country to study, document and promote social, digital and financial inclusion. In the process, knowledge repositories have been created on what works — the best practices — actively engaging all stakeholders from policy makers and civil society to ordinary citizens.

SKOCH ORDER-OF-MERIT LIST 2018 (RAJASTHAN STATE)

ORGANISATION NAME	PROJECT NAME	LEVEL
DEPARTMENT OF INFORMATION TECHNOLOGY & COMMUNICATION, GOVERNMENT OF RAJAS-	BHAMASHAH YOJANA	GOLD
DEPARTMENT OF INFORMATION TECHNOLOGY & COMMUNICATION, GOVERNMENT OF RAJASTHAN	BHAMASHAH SWASTHYA BIMA YOJANA	GOLD
DEPARTMENT OF INFORMATION TECHNOLOGY & COMMUNICATION, GOVERNMENT OF RAJASTHAN	MY HEALTH RECORD (EHR)	SILVER
DEPARTMENT OF MEDICAL, HEALTH & FAMILY WELFARE, GOVERNMENT OF RAJASTHAN	AASHRAY PALANA STHAL YOJANA	SILVER
NATIONAL HEALTH MISSION, DEPARTMENT OF MEDICAL, HEALTH & FAMILY WELFARE, GOVERNMENT OF RAJASTHAN	TELEMEDICINE SERVICES PROJECT	SILVER
NATIONAL HEALTH MISSION, DEPARTMENT OF MEDICAL, HEALTH & FAMILY WELFARE, GOVERNMENT OF RAJASTHAN	MOBILE DENTAL VAN SERVICES	BRONZE

SKOCH AWARDEE LIST 2018

NATIONAL HEALTH MISSION, DEPARTMENT OF MEDICAL, HEALTH & FAMILY WELFARE, GOVERNMENT OF RAJASTHAN	MOBILE DENTAL VAN SERVICES	SILVER
DEPARTMENT OF INFORMATION TECHNOLOGY & COMMUNICAITONN, GOVERNMENT OF RAJASTHAN	BHAMASHAH SWASTHYA BEEMA YOJANA	PLATINUM
DEPARTMENT OF INFORMATION TECHNOLOGY & COMMUNICAITONN, GOVERNMENT OF RAJASTHAN	MY HEALTH RECORDS (EHR)	GOLD

Host Partner

Bhamashah Swasthya Beema Yojana

Organiser Knowledge Partner

elets 4th Annual Healthcare SUMMIT RAJASTHAN

CONFERENCE | AWARDS | EXPO 28 September 2018, JAIPUR

& elets 2nd Annual Precious DAUGHTERS OF INDIA AWARDS

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग एवं इलेट्स टेक्नोमीडिया के संयुक्त तत्वावधान में 28 सितम्बर को एसएमएस कन्वेंशन सेंटर में इलेट्स की चतुर्थ हैल्थ केयर समिट का आयोजन किया गया। इस समिट के मुख्य अतिथि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री कालीचरण सराफ एवं विशिष्ट अतिथि चिकित्सा राज्यमंत्री श्री बंशीधर खंडेला थे। समिट में एसीएस श्रीमती वीनू गुप्ता, विभिन्न राज्यों के स्वास्थ्य सचिव, मिशन निदेशक एनएचएम, स्वास्थ्य विशेषज्ञ विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर विस्तार से मंथन किया। मुख्य वक्ता डॉ. रतन केलकर(आईएएस), हरी चंदना (आईएएस), डॉ. जी. दीवान (एमडी एनएचएम, चंडीगढ़), प्रोफ. पद्मा श्रीवास्तव (न्यूरोलोजी विभाग, एम्स, दिल्ली), डॉ. किन्नी सिंह (एमडी एनएचएम, अरुणाचल प्रदेश), विदुषी चतुर्वेदी (डायरेक्टर एनएचएम, भारत सरकार), प्रोफ. रवि कांत (डायरेक्टर, एम्स ऋषिकेश) एवं आशीष मोदी (जॉइंट सीईओ, राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी) आदि थे तथा कांफ्रेंस के आयोजक और ईलेट्स टेक्नोमीडिया प्राईवेट लिमिटेड के सीईओ डॉ रवि गुप्ता थे ।

अवार्ड समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं महत्वपूर्ण प्रदर्शन कर चुकी महिलाओं को प्रीशियस डाटर्स आफ इंडिया अवार्ड से सम्मानित किया। इनमें बायोकान की किरण मजूमदार शा, खिलाडी सायना नेहवाल, तेलंगाना में आईजी आईपीएस स्वाति, अरुणाचल प्रदेश में एमडी एनएचएम आईएएस डा. किन्नी सिंह, राजस्थानी की आईटी कमिश्नर आईएएस श्रीमती रोली अग्रवाल सहित 16 महिलाएं शामिल हैं।

‘सेवियर ऑफ गर्ल चाईल्ड‘ अवार्ड

जयपुर में 28 सितम्बर 2018 को सम्पन्न हुए 4th Annual Healthcare Summit में मिशन निदेशक एनएचएम श्री नवीन जैन को राजस्थान में ‘पीसीपीएनडीटी एक्ट‘ की प्रभावी क्रियान्विती एवं ‘डाटर्स ऑफ प्रीशियस‘ जनजागरुकता अभियान संचालित कर लाखों जनमानस को ‘बेटी-बचाओ‘ के प्रति भावना विकसित करने की कार्यवाही पर ‘सेवियर ऑफ गर्ल चाईल्ड‘ अवार्ड से पुरस्कृत किया गया ।

Ayushman Bharat –Pradhan Mantri Jan Aarogya Yojana (AB-PMJAY)

Launched by Prime Minister Shri Narendra Modi in Ranchi, Jharkahnd on September 23, 2018.
This is the **"world's largest government funded healthcare program"** targeting more than 50 crore beneficiaries.

BENEFITS UNDER THE SCHEME:

- The Yojana provides a coverage up to Rs. 5,00,000 per family per year, for secondary and tertiary care hospitalization through a network of Empanelled Health Care Providers (EHCP).
- The services include 1350 procedures covering pre and post hospitalization, diagnostics, medicines etc.
- Cover of up to Rs. 5 lakhs per family per year, for secondary and tertiary care hospitalization.
- Cashless and paperless access to services for the beneficiary at the point of service.
- Quality health services they need without facing financial hardships.

FEATURES OF THE SCHEME:

- Progression towards promotive, preventive, curative, palliative and rehabilitative aspects of Universal Healthcare through access of Health and Wellness Centers (HWCs) at the primary level and provision of financial protection for accessing curative care at the secondary and tertiary levels through engagement with both public and private sector.
- Creation of 1,50,000 Health and Wellness Centres
- Comprehensive Primary Health Care (CPHC), covering both maternal and child health services and non-communicable diseases, including free essential drugs and diagnostic services.
- The first Health and Wellness Centre was launched by the Prime Minister at Jangla, Bijapur, Chhatisgarh on 14th April 2018.
- PMJAY primarily targets the poor, deprived rural families and identified occupational category of urban workers' families as per the latest Socio-Economic Caste Census (SECC) data for both rural and urban areas as well as the active families under the Rashtriya Swasthya Bima Yojana (RSBY).
- A total of 13,000 hospitals have become a part of the PMJAY.

Check PMJAY eligibility - https://mera.pm-jay.gov.in/search/login
Empanel private hospital with PMJAY - https://hospitals.pmjay.gov.in/

VARIOUS

इन सर्विस पीजी छात्रों को नहीं मिल रही तनख्वाह, चाय नाश्ते के पड़े लाले

हर साल मई जून में पीजी प्रथम वर्ष के बैच प्रारंभ होते हैं, इनमे प्रवेश लेने वाले इन सर्विस रेजिडेंट्स को चिकित्सा विभाग स्टडी लीव सेंक्शन करता है और फिर संबंधित DDO द्वारा एलपीसी काट कर दी जाती है, जिसके आधार पर उन्हें आधी सेलरी और स्टाइपेंड मिलता है । इस वर्ष का अक्टूबर महिना आ गया लेकिन अभी तक सेलरी का अता पता ही नहीं है, कुछ की स्टडी लीव सेंक्शन नहीं हुई तो कुछ की एलपीसी नहीं कटी, कुलमिलाके ये रेजिडेंट आहत हैं, पीड़ित हैं । सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रथम वर्ष रेजिडेंट डॉ. करमवीर का कहना है की उनका कोई धणी-धोरी नहीं है, मैंने इस मुद्दे को कई बार व्हाट्सएप के मंच पर भी उठाया है लेकिन अभी तक मोबाइल पर सेलरी का मैसेज नहीं आया है ।

राखी पर एक बहिन का खुला पत्र अपने भाई के नाम

प्यारे भैया

आज राखी पर बड़ी दीदी ने शायद तुम्हारी कलाई पर राखी बांध दी होगी ! मेरे हिस्से वाली राखी शायद इस साल भी तुम्हें बांध नहीं पाउंगी । इस साल भी तुम्हारी कलाई पर नहीं बंधी एक राखी, तुम्हें मेरी याद दिलाएगी । उस कलाई पर नहीं बंध पा रही, तुम्हारी कलाई पर उस राखी के घेरे जाने वाली जगह सिर्फ मेरी है । मैं तुमसे नाराज हूँ । नाराज उस बात पर, जिसमें गलती तुम्हारी नहीं थी, पर तुम्हारी वजह से ही आज मैं वहां नहीं हूँ जहाँ मुझे होना था । मेरे वजूद और इन्सान के तौर पर स्वाभिमान को तोड़ने में तुम सबसे बड़े कारण थे मेरे भाई ।

हर बार टाल जाती हूँ पर आज तुम्हें बताना चाहती हूँ, अपना सच, जो कभी तुम्हें बताया नहीं, वो सच जो घिनौना है, कड़वा है पर है तो सच ही । सुनो, बड़ी दीदी के जन्म के समय घर में सबके चेहरे उदास तो थे पर उतने ग़मगीन नहीं थे जितना उस समय हुए, जब मेरे जन्म से पहले ही मम्मी पापा ये देखने के लिए की मैं लड़की हूँ या लड़का, किसी जगह मुझे लेकर गए और उन्हें पता लग गया की मम्मी के पेट में तुम नहीं मैं थी । लड़का नहीं एक लड़की । पापा गुस्सा हो गए, उन्होंने मम्मी को खूब भला बुरा कहा । उन्होंने मम्मी को क्यों डांटा मुझे तो समझ नहीं ही नहीं आया । अब मम्मी के पेट में लड़का आएगा या लड़कि, ये मम्मी को थोड़े ही पता होगा और इसे गलती की तरह देखना भी भाई, कितनी बड़ी गलती थी । क्या हम लड़कियों का इस धरती पर आना अपराध है । क्या हम लड़कियां किसी की इच्छा से नहीं, गलती से धरती पर आते हैं । क्या हम वो नंबर हैं जो गलती से लग जाते हैं । रोंग नंबर । हमें गलती की तरह क्यों देखा और पाला जाता है ।शायद इसलिए हमारे साथ भेदभाव होता है क्योंकि गलती को तो, अच्छे खाने की, अच्छे कपड़े की, अच्छी शिक्षा की, स्वास्थ्य की और आजादी की जरुरत थोड़े हो होती है, गलतियाँ तो बीएस सजा भुगतने के लिए ही होती हैं । हाँ, लोग अब कुछ बदले हैं । समाज बदला है । किताबों में, अख़बारों में, फिल्मों में, और टीवी की बहस में लड़कियों को लेकर अच्छी बातें होने लगी हैं पर समाज का कड़वापन आज भी हरा है । पहले जो चीजें खुले तौर पर होती थी अब दबे पांव होती हैं, जैसा की मेरे साथ भी हुआ ।

मैंने देखा की पापा किसी को पैसे दे रहे थे और कुछ कह रहे थे । मुझे लगा शायद पापा यह बोले होंगे की मैं यहाँ मम्मी के पेट में अकेली हूँ, कैसी रह रही होउंगी । कोई दवाई या खाना मुझे दिया जायेगा जिससे मुझे अच्छा लगेगा या शायद मुझे जल्दी बाहर निकालने के लिए कहा होगा । वो मुझे गोदी में लेने और प्यार करने को उतावले हो रहे होंगें । मेरे मासूम दिल ने कहा पापा तो पापा ही होते हैं । बेटी अपनी मां से भी ज्यादा अपने पापा के करीब होती है । पापा की बेटी । और मैं भी अब सारी जिंदगी उनका सारा ध्यान रखूंगी । उनकी दवाई, उनका खाना, उनकी तबियत, सबका । मेरे पापा, प्यारे पापा । मैं यह सब सोच रही थी और पता नहीं क्या हुआ, मेरे पास बहुत हलचल सी होने लगी, मैं घबरा गयी । अचानक मेरा डीएम घुटने लगा, मुझे सांस आनी बंद हो गयी और फिर धीरे धीरे मेरा मांस का लोथड़ा शांत हो गया.. मैं सो गयी, ऐसी सोई की फिर कभी जागी ही नहीं । दुनिया में आने से पहले ही दुनिया से विदा कर दी गयी ।

समाज इसे हत्या नहीं सफाई कहता है । गंदगी का नाम सफाई । अजब गजब लोग और अजब गजब उनकी व्याख्याएं । मैं अब भी देख रही थी.. सब कुछ । मैं अब मरी हुई, खून से लथपथ चिपचिपी सी, गन्दी ट्रे में पड़ी हूँ । मम्मी पापा अब यहाँ नहीं थे । पता नहीं अब कहाँ थे । दिखाई नहीं दे रहे थे । कोई आदमी वहां साबुन से अपने हाथ धो रहा था । बार बार । पता नहीं ऐसा कौन सा खून लग गया था उनके हाथों पर जो इतना धोने पर भी नहीं निकल रहा था । अचानक दरवाजा खुला और एक आदमी आया, उसने मेरे शरीर को कपड़े में लपेटा और उठा लिया ।

सब्जी के थैले के जैसे उसके हाथों में थी मैं अब । जैसे सब्जी के थैले से थोड़ी सब्जी बाहर लटकती है वैसे ही कपड़े से बाहर मेरे छोटे छोटे पैर लटके हुए थे । नन्हे पैर । इन्हीं नन्हे पैरों को देवी के पैर मान कर पूजा होती है देश में । वो ही लटके नन्हें पैर किसी सहारे की तलाश में थे ।

मेरा शरीर उसके हाथों में बहुत दूर तक आ गया । यहाँ अँधेरा ही अँधेरा था । उस आदमी ने मेरे शरीर को झाड़ियों में फेंक दिया । मेरा छोटा सा शरीर मिट्टी से भरा, काँटों में था । छिल गया था, पर कोई नहीं था जो मेरा ध्यान रखे । थोड़ी देर में वहां कुत्तों का झुण्ड आ गया और मेरा शरीर एक कुत्ते के मुंह में था । उसके नुकीले दांतों के बीच । वो हर सड़क से निकल रहा था । बस्ती से, मोहल्लों से, कॉलोनियों से । सभ्य और पढ़े लिखे समाज का जनाजा अपने मुंह में दबाये । बरसात होने लगी । मुझे लगा भगवान रोये हैं मेरे लिए, उनका दिल दुख होगा । सोचा होगा मुझे इन्सान बनाकर भेजने क बजाय कुत्ता बनाकर ही भेज दिया होता तो शायद आज मेरे मांस के लोथड़े में जान बाकी होती ।

मुझे इस संसार में लाये भी मम्मी पापा और संसार से विदा भी किया मम्मी-पापा ने । मैं थैंक्स बोलूं या शिकायत करूँ, समझ नहीं आता । राखी पर कितने ही भाइयों को ये पता भी नहीं होगा की उसकी कलाई सूनी क्यों है ?

अगर वो इसकी और जांच पड़ताल करेंगे तो शायद वो अपने घर, प[परिवार और समाज की उस कड़वी हकीकत के बारे में जान पाएंगे जिसके कारण बहुत से भाइयों की कलाई पर या तो राखी कम है या फिर है ही नहीं । दुखद है पर हकीकत है की हालात नहीं सुधरे तो कलाई से राखियां और घर से लड़कियां कम होती रहेंगी ।

- श्री नवीन जैन, एमडी एनएचएम, राजस्थान

इस पत्र का ऑडियो वर्जन डॉ. जितेन्द्र बगड़िया, द्वारा संपादित किया गया है और आवाज दी है, डॉ. महविश शर्मा ने ।

यह मार्मिक ऑडियो सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें »

DR. MANISH PARIHAR – MBBS MD DSM

Associate Professor Department of Physiology SNMC Jodhpur & Govt. Physiotherapy college Jodhpur

डॉ. मनीष परिहार, सम्पूर्ण आनंद मेडिकल कॉलेज, जोधपुर के फिजियोलॉजी विभाग में फेकल्टी हैं, पूर्व में ये एसएमएस मेडिकल कॉलेज की शान थे । डॉ. परिहार खेलप्रेमी और खिलाडी हैं, क्रिकेट और बास्केटबॉल इनके पसंदीदा खेल हैं, अगर बात सेलेब्रिटीज की हो तो गावस्कर, तेंदुलकर, ज्वाला गुट्टा, प्रियंका चौपड़ा, कपिल देव, इमरान खान, पेले, स्मृति मान्धाना, सनी देओल, बॉक्सर विजेन्द्र आदि के ये बड़े फैन हैं । शिक्षा, खेल, रिसर्च, समाज सेवा के क्षेत्रों में इनका बहुत बड़ा योगदान रहा है, घूमने के शौक़ीन हैं, मैदान में जाकर लाइव मैच देखना ही इनका शौक है, इसी बहाने घुमाई भी हो जाती है । फिटनेस पर ध्यान देते हैं इसलिए एक से ज्यादा बीयर कभी नहीं लेते हैं । यामाहा की मोटरसाइकिल और मारुती 800 चलाने के शौक़ीन हैं, अविवाहित हैं । खाने में कढ़ी-कचौरी के शौक़ीन हैं । ये अपने आप में एक चली फिरती किताब हैं, पिछले पच्चीस से ज्यादा वर्षों से लगातार एम्स पल्स में जाते रहे हैं कभी खिलाड़ी, फिर कोच तो कभी फेकल्टी के रूप में, ये हमेशा से दिल से जवां और लौंडे हैं सो 'लौंडरु' कहलाते हैं, भगवान इन्हें लम्बी उमर बख्से.. सैंट सर की जय हो ।

Achievements

DEGREE/DIPLOMA(3),
MBBS SNMC Jodhpur(RU)
Remain Medical officer ONGC Rajasthan Project (Government of India) at Jaisalmer.
Medical officer mobile unit – SSPA Project Vadodara (Government of Gujrat)
RPSC Ajmer Selected(In Merit list) Senior Demonstrator GMC Kota.
SNMC Jodhpur, Senior Demonstrator.
MD Physiology Degree (In Merit list of Senior Demonstrators) SMSMC Jaipur (RUHS).
Assistant professor SMSMC, Jaipur Medical teacher
Diploma in Sports Medicine from NSNIS Patiala Government of India (In Merit list) (as in service PG in DSM in study leaves sanctioned by Government of Rajasthan.

Worked in Sports Medicine, Exercise: Physiology & Allied Sciences like Nutrition, Anthropology, Biomechanics, Sports Psychology, General Training Methods etc. departments at Rajindra Hospital GMC Patiala BFUHS, Government of Punjab; as PG in DSM worked in Orthopaedics, Medicine, Surgery, Anaesthesia departments.

Scientific Courses attended (8) Doping Control officer training course &Team physician training course by IFSM Delhi, Emergency sports medicine course by IFSM, in collaboration with FIMS at Delhi. Done Rajasthan State Certificate Course in Information and Technology of Rajasthan Knowledge Corporation Limited Vardhman Mahaveer Open University Kota. Attended A.O. Trauma Introduction Programme at GMC Patiala. Done AFSM Sports rehabilitation course at Jaipur, AFSM Team physician course at Sri Ramchandra University, Chennai Team Physician Course by SAI New Delhi GOI.

Life Membership (5) IFSM, IMA, APPI, NMO, IASM.

Scientific Publications in Index Journal = (6) 3 in SJAMS, 1 in IMJH, 1RMJ,1 NMO

Abstract publications= (19) includes 5 in Sports- Medcon at New Delhi by IFSM, SAI ,IMA ,IOA, Delhi Govt.CWG2010 OC ,Services ;Sports Board ,FIMS, MCI, ICMR, Bhagidari citizen- govt. partnership, Govt. of NCT of Delhi .4 abstracts in National Symposium of Sports Physiology Today and Tomorrow at JNMC Aligarh Muslim University,1 in ICMADRH-RU Jaipur,1 in GSICON at GMC Amritsar, 3 abstracts in supplement IJPP at AIIMS New Delhi ,NIMHANS Bengaluru, Puri, 2 in NMOCON AIIMS Jodhpur, 2 in Rajasthan Conclave at DMRC(ICMR) Jodhpur.

Scientific paper presentations = (13) includes 3 in Sports Medcons at New Delhi,1in Dr.Shurvir Singh Trust RNTMC Udaipur,1in ICMADRH-RU Jaipur,1in IMACON Jaipur, 2 in IASMCON at PGIMER Chandigarh, and at Panjim Goa, 1 in GSICON at Guru Nanak Dev Hospital GMC Amritsar, 1 in NZIO-ACON GMC Patiala,1 in ICONBAP Smt. NHL MMC Ahmedabad,1 in SAICON at JLN Stadium Delhi by Ministry of Youth Affairs and Sports, Certificate by Secretary SAI and Sports Govt. of India ,1 in RAJCONCLAVE DMRC(ICMR)Jodhpur.

Scientific poster presentations = (8); Received Best Poster Presentation Award, Memento & Cash Prize 1000 Rs in National Symposium at UCMS & GBT Hospital with CCRYN Dept of AYUSH, H & F W New Delhi., Received First prize & Memento in poster presentation at JNMC Aligarh Muslim University, 3Posters presented at APPICONS Delhi, Bengaluru & Puri. 2posters at NMOCON AIIMS Jodhpur,1also in NZIOACON at GMC Patiala.

Literary activity & scientific quizzes (6). includes 3 IAP UG quiz college and state winner at SNMC Jodhpur, North Zone IAP UG quiz at MAMC New Delhi received consolation prize award & certificate, participated in GK Quiz and Sports Quiz winner on AIR & Live telecast Sports & Health related programme on DD (Received cheque 50 Rs,75 Rs from Station Master AIR & Behalf of President of India & Rs. 1000 from Station Director & Behalf of President of India).

Participation in Conferences (26) Attended 3 Sports Medcons at JLN Stadium & CGO Complex Delhi ,5 APPICONS at AIIMS Delhi, NIMHANS Bengaluru, by SCB at Cuttack at Puri, AIIMS Jodhpur, JIPMER Pondicherry,5 IAMSCONS at PGI Chandigarh, Jaipur, Mumbai, SRU Chennai, Panjim & Goa 2 ICONBAP at SMSMC Jaipur & Smt. NHLMMC Ahmedabad,2NMOCON Jaipur & AIIMS Jodhpur, ICMADRH RU Jaipur, IMACON Jaipur, GSICON-GMC- Amritsar, NZ-ISACON,GMC-Patiala, NZIOACON GMC Patiala, RAJMEDICON Jaipur, NAMSCON :AIIMS Jodhpur, RAJAPICON;SNMC Jodhpur, SAICON DELHI .

Participation in Workshops (22) includes 5 at Jaipur ,2 AIIMS Jodhpur 3 AIIMS Delhi,2 IAF Bengaluru by; NIMHANS, GMC: Patiala, SMC: Meerut, Puri- by SCB: Cuttack, BJMC Ahmedabad, SNMCJodhpur,2atRUHSCMSJaipur; 2 at JIPMER Pondicherry,1 at International-Centre: Goa.Attended CME/Conclave/ Update (11),

Attended Seminar/Orientation (32)

Symposiums (25) at different Medical colleges and Institutes of country.

Remain Medical Officer In-charge at SNMC Jodhpur and at SMSMC Jaipur of court cases for Govt. of Rajasthan. (10)

Remain University Examiner(6times) of 1st MBBS students, Govt. Physiotherapy College Jodhpur, BDS Students at SNMC Jodhpur, Sumandeep Vidyapeeth Vadodara.

In Sports: In Basketball, Remain among best player of Jodhpur U13 and U16 with statesmanship (7) times received certificate from RBA(BFI),Veer Teja Awardi and Maharana Pratap Award Nominee, Commissioner Bikaner ,Secy. Dept. of Personal, Secy. Dept. of Youth Affairs and Sports, Gold Medal from Additional Chief secy. Govt. of Rajasthan, Remain SNMC Jodhpur Captain of Basketball team; received Certificates behalf of Deans of AFMC Pune (Thrice), Inter-medical Basketball winner at SPMC Bikaner, behalf of Deans of AIIMS at PULSE in Mock Rock winner & Volley Ball winner (twice), in Badminton merit at RNTMC Udaipur, In Cricket Remain among Best Player of Jodhpur U15, also – Played west zone inter-university at Bhavnagar (Gujrat). Rajasthan U19 cricket Dungarpur shield winner RCA(BCCI) at Bhilwara Rajasthan, Felicitation Memento at LMC Jodhpur from Governor Late Dr.Chenna Reddy for west zone interuniversity cricket at Amaravti Maharashtra(Represented Jodhpur University), winner DPL Cricket cup by JMA(IMA). Inter Medical Cricket winner at SPMC Bikaner & at SNMC Jodhpur (Man of the Match in Final), Runner at RNTMC Udaipur(twice), also captained SNMC cricket team. Received Certificate of Appreciation from Jodhpur Senior Cricketers Association.

Remain Manager/Team in charge (10 times) of GMC Kota, SNMC Jodhpur SMSMC Jaipur and as delegate attended Pulse the Socio-Cultural-Literary-Sports Programme at AIIMS New Delhi many times, RU Intercollegiate tournament, Inter medical state level tournaments, Yoga Team of SNMC Jodhpur. Received All-rounder Award from Principal SNMC Jodhpur.

Social work Done (7) - Blood Donations many times, State Monitor Polio vaccination program in collaboration with NPSP & WHO, contribution for Jan Mangal Trust, CM Relief Fund, Akshay patra, Akshay Kalewa etc.

Received felicitations from GMC Kota Decade celebrations & SNMC Golden Jubilee celebrations & also felicitated from many Secretaries of Government of Rajasthan.

Publications - 30 years of media coverage in different fields in different places in India and 10 years of Scientific Presentations and Publications in different part of World.

Total Statesmanship's of Dr. Manish Parihar (227 times) in different fields at different places at various International, National and State level.

Nobel Prize of Physiology or Medicine 2018 Declared

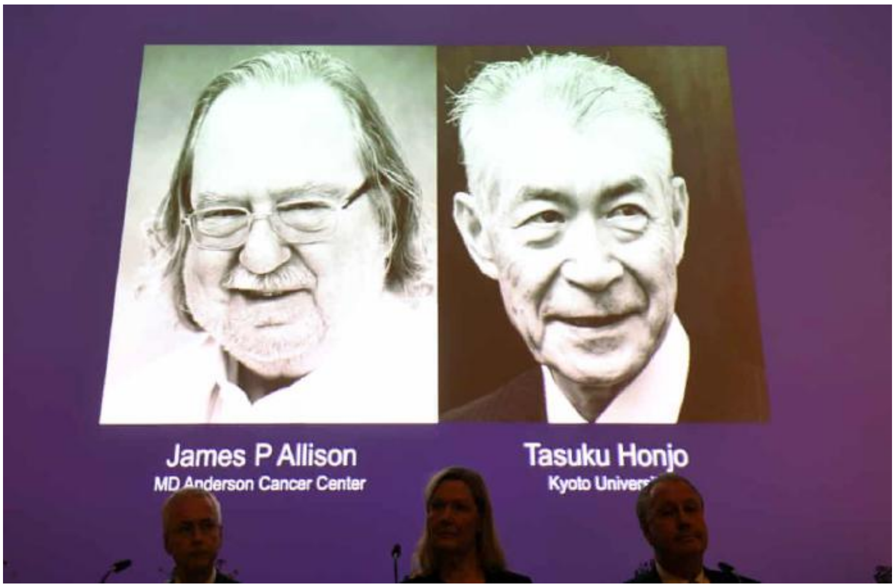

American, James Allison and Japan's Tasuku Honjo have won the 2018 Nobel Prize in Medicine for a pioneering new approach to cancer treatment. The Nobel committee said the pair's research “which harnesses the body's immune system to attack cancer cells” amounted to a "landmark in our fight against cancer."

Prerna Award

In order to help push up the age of marriage of girls and space the birth of children in the interest of health of young mothers and infants, JSK launched PRERNA, a Responsible Parenthood strategy in all districts of seven high focus states namely Bihar, Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, Chhattisgarh, Jharkhand, Odisha and Rajasthan. The strategy has been to identify the couple and award couples who have broken the stereotype of early marriage, early childbirth and repeated child birth and have helped change the mindsets of the community.

Prerna Scheme

In order to become eligible for award under the scheme, the girl should have been married on or after 19 years of age and given birth to the first child after at least 2 years of marriage. The couple will get an award of Rs.10,000/- if it is a Boy child or Rs.12,000/- if it is a Girl child. If birth of the second child takes place after at least 3 years of the birth of first child and either parent voluntarily accept permanent method of family planning within one year of the birth of the second child, the couple will get an additional award of Rs.5,000/- (Boy child) / Rs.7,000/- (Girl child). The amount of award will be given to the beneficiaries in their Adhar linked account through DBT. The scheme is meant only for BPL families.

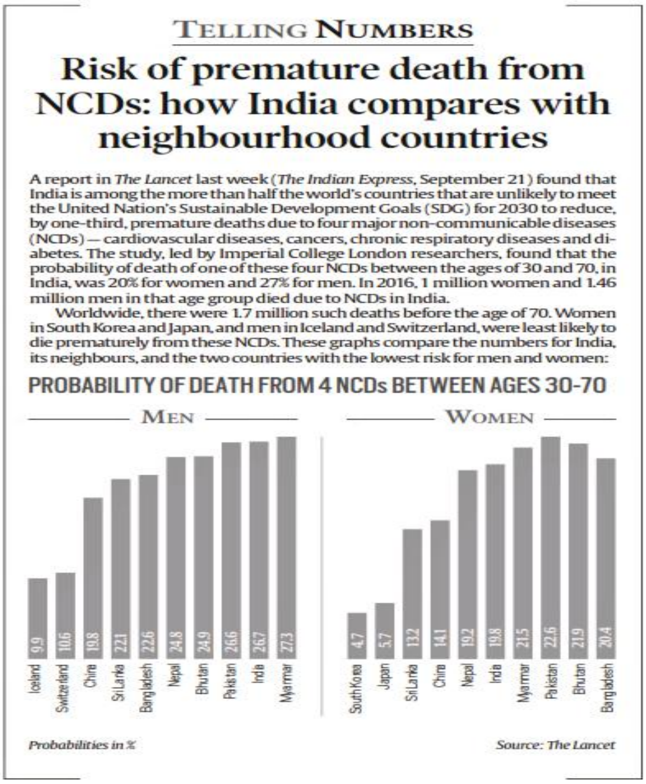

TELLING NUMBERS

Risk of premature death from NCDs: how India compares with neighbourhood countries

A report in *The Lancet* last week (*The Indian Express*, September 21) found that India is among the more than half the world's countries that are unlikely to meet the United Nation's Sustainable Development Goals (SDG) for 2030 to reduce, by one-third, premature deaths due to four major non-communicable diseases (NCDs) — cardiovascular diseases, cancers, chronic respiratory diseases and diabetes. The study, led by Imperial College London researchers, found that the probability of death of one of these four NCDs between the ages of 30 and 70, in India, was 20% for women and 27% for men. In 2016, 1 million women and 1.46 million men in that age group died due to NCDs in India.

Worldwide, there were 1.7 million such deaths before the age of 70. Women in South Korea and Japan, and men in Iceland and Switzerland, were least likely to die prematurely from these NCDs. These graphs compare the numbers for India, its neighbours, and the two countries with the lowest risk for men and women:

डॉ. जैन बने अतिरिक्त निदेशक (राजपत्रित)

हाल ही में अतिरिक्त निदेशक का यह पद काफी राजनीतिक उठापटक वाला रहा है, पिछले साल इस पद पर आरएएस अधिकारी की नियुक्ति के बाद बड़ा बवाल मचा था और चिकित्सकों की हड़ताल का एक मुख्य मुद्दा बना था । आरएएस अधिकारी को इस पद से हटाने के बाद डॉ. राधेश्याम छींपी को इस पद पर लगाया गया था, उन्हें भी जून में हटाकर डॉ. संजीव जैन को लगाया गया है । सरकारी डॉक्टरों के लिहाज से यह पद काफी महत्वपूर्ण है ।

डेंटिस्टों की आठ पदों पर हो रही भर्ती रुकी

राज्य सरकार ने शहरी क्षेत्रों के लिए फिजिशियन, गायनी, पीडिया, मेडिकल ऑफिसर और डेंटिस्ट के करीब 50 पदों के भर्ती विज्ञापन जारी किए थे जिनमें से केन्द्र सरकार द्वारा मंजूरी नहीं दिए जाने के कारण डेंटिस्टों की भर्ती प्रक्रिया रद्द हो गयी ।

निरामया लेकर आया है तंदुरुस्ती का पैगाम

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग लाया है "निरामया" कार्यक्रम। जनजागरूकता का इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में हैल्थ, सैनीटेशन एंड हाईजीन की जानकारियों का प्रचार-प्रसार किया जायेगा। स्वस्थ गांव: स्वस्थ राजस्थान की 10 थीमों के 'निरामया' आईईसी पोस्टर एवं मोड्यूल पुस्तिकाएं भी जारी की गयी हैं। निरामया कार्यक्रम के तहत प्रथम चरण में 26 सितम्बर, 24 अक्टूबर, 31 अक्टूबर, 14 नवम्बर एवं 28 नवम्बर को अभियान चलाया जायेगा। प्रदेश के 7 जिलों - अजमेर, बीकानेर, जयपुर, कोटा, झालावाड, जोधपुर एवं उदयपुर के चिन्हित गांवों में राजकीय एवं निजी मेडीकल कालेजों के तृतीय व चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा आमजन को प्रिवेन्टिव हैल्थ केयर एंड हैल्दी लिविंग स्टाइल के बारे में जानकारियां दी जायेंगी। प्रत्येक टीम में राजकीय व निजी मेडिकल कालेज के 2 विद्यार्थी रहेंगे।

दैनिक भास्कर के जयपुर संस्करण में छपी खबर "एसएमएस ने ज्यूरिस्ट रिपोर्ट में नॉर्मल लिखा, सेटेलाइट ने लिखा - फ्रेक्चर है" का सच

मारपीट के मामले में माणक चौक थाना, जयपुर में रिपोर्ट दर्ज करवाने के बाद मजरुबा को दिनाँक 04/06/2018 को मेडिकल मुआवना हेतु एसएमएम मेडिकल ज्यूरिस्ट के पास लाया गया , क्लीनिकल परीक्षण में दांये कोहनी और हाथ में लगी चोट में कोई फ्रेक्चर नहीं मिला और उक्त सभी चोट को सामान्य प्रकृति और कुंदा लय से कारित बताया गया । दिनाँक 05/06/2018 को मजरुबा ने सेटेलाइट चिकित्सालय,सेठी कॉलोनी जयपुर में हाथ का एक्स रे और इलाज करवाया जिसमे वहाँ के ड्यूटी डॉक्टर के अनुसार फ्रेक्चर का डाउट होना बताया गया । इलाज के दस्तावेज,पुलिस तहरीर और परिजनों द्वारा प्रार्थना पत्र देने पर उसी हाथ का एक्सरे करवाया गया जिसे तीन वरिस्ठ रेडियोलॉजिस्ट विशेषज्ञों के द्वारा रिव्यू कर रिपोर्ट दी गयी जिसमें कोई फ्रैक्चर नही पाया गया और उक्त चोट को सामान्य प्रकृति की ही माना गया । पूरे प्रकरण से साफ जाहिर होता हूं कि यह ख़बर दैनिक भास्कर के पत्रकार ने केवल सनसनीखेज बनाने मात्र के लिए प्रकाशित की गई थी, जिसका सच्चाई से दूर दूर तक कोई वास्ता नही था ।

बोतलार्थी डॉक्टर से झगड़े, फिर दिखी झोलाछाप पत्रकारिता

भरतपुर के बयाना कस्बे के सरकारी अस्पताल में डॉ. लाखन सिंह फौजदार ड्यूटी पर थे, तभी एक बोतलार्थी (जबरदस्ती बोतल लगवाने वाला) आ पहुंचा और एक महिला के बोतल चढ़ा देने की डिमांड भरी दोपहर में करने लगा, चूँकि बिना जरुरत के बोतल चढ़ाना, मरीज की सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है तो चिकित्सक ने बोतल लगाने से मना कर दिया बोतलार्थी ने खुद को पत्रकार बताते हुये चिकित्सक को धमकाया और देख लेने की धमकी दी, अस्पताल प्रबंधन की तरफ से मामले की यथास्थिति से अधिकारीयों को अवगत करवाया और उचित कारवाई की मांग करी, डॉ. लखन इस घटना के बाद पीड़ा में हैं और सुरक्षा कारणों से अवकाश पर चले गए हैं, इसी बीच उसी तथाकथित पत्रकार के झोलाछाप चैनल ने बे-सिर-पैर की चिकित्सक द्वारा महिला को छेड़े जाने की खबर चला दी जो की घोर शर्म की बात है (संबंधित विडियो सरकारीडॉक्टर वेबसाइट पर उपलब्ध हैं) ।

पशु चिकित्सक आन्दोलन की राह पर, होना चाहते हैं सरकारी

लम्बे समय से, पशु चिकित्सा की डिग्री कर चुके छात्र सरकारी भर्ती की मांग कर रहे हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही, इन छात्रों ने धरने प्रदर्शन ज्ञापन सब कर लिए लेकिन सिस्टम के कानों पर जूं तक ना रेंगी, इनका कहना है की प्रदेश में बड़ी संख्या में पशु चिकित्सकों के पद रिक्त हैं जिससे पशु अधिकारों का हनन हो रहा है, आवश्यकता है की भर्ती निकाली जाए ताकि पशुओं और इन छात्रों का भला हो सके ।

मिसाल रेंकिंग, सीकर पड़ रहा भारी

प्रदेश की चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और जनता तक स्वास्थ्य सुविधाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की कड़ी में एक पहल महकमे की तरफ से शुरू की गई थी जिसमें हर महीने सबसे बेहतर परिणाम देने वाले जिले की घोषणा होती है. इस पहल के सार्थक परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं. 'मिसाल' हैल्थ रैंकिंग सिस्टम के माध्यम से मातृ, नवजात, शिशु स्वास्थ्य सूचकांक, पूर्ण टीकाकरण कवरेज, मरीजों की संतुष्टि, संस्थागत प्रसवों का प्रतिशत, प्रसव पूर्व जांच का कवरेज, परिवार कल्याण कार्यक्रम, टीबी सहित विभिन्न मापदण्डों पर जिले का स्कोर कार्ड तैयार किया गया है. चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की अतिरिक्त मुख्य सचिव वीनू गुप्ता ने बताया, मई-2018 से रेंकिंग जारी की गई है और इस प्रतियोगिता के चलते ही स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति टीम भावना जागृत हुई है. उन्होंने बताया कि टीम भावना विकसित होने से पॉजीटिव रिजल्ट्स प्राप्त हो रहे हैं और प्रदेशवासियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं. स्वास्थ्य सचिव एवं मिशन निदेशक एनएचएम नवीन जैन ने बताया कि डिस्ट्रिक हैल्थ रैंकिंग लागू होने से स्वास्थ्य केन्द्रों पर उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग हो रहा है. उन्होंने कहा कि इस रैंकिंग सिस्टम में कोई भी जिला बिना सेवाओं में सुधार के अपना स्थान सुरक्षित नहीं रख सकता है. मई से अगस्त तक के चार माह की रेंकिंग में तीन बार सीकर जिला टॉप पर रहा है तथा एक बार झुंझुनू प्रथम आया है, सीकर जिले द्वारा हैट्रिक मारे जाने की ख़ुशी में सितम्बर माह की सीकर जिला स्वास्थ्य समिति की मासिक बैठक में जिला कलेक्टर सीकर एवं सीएमएचओ सीकर डॉ. अजय चौधरी द्वारा केक काटकर ख़ुशी मनाई गयी और जिले के समस्त चिकित्सा स्टाफ को बधाई दी गयी।

बाड़मेर : खुले में पोस्टमार्टम का दूसरा चेहरा

बाड़मेर के गडरारोड़ सीएचसी में करंट से मौत हुई दो महिलाओं के खुले में पोस्टमार्टम कर दिए जाने पर खूब बवाल मचा और इसे मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना बताया गया, पर बात यह है कि आजादी के अस्सी साल बीत जाने के बाद भी अस्पताल में मुर्दाघर नहीं है, इस अस्पताल के पचास किलोमीटर के दायरे में किसी भी अस्पताल में मुर्दाघर नहीं है, तो क्या दो महिलाओं के शवों को सैंकड़ों किलोमीटर दूर भेजा जाए ? मानवता के नाते और धार्मिक भावनाओं को देखते हुए शवों को अस्पताल में रखवाया गया और बाकायदा पर्दा लगाकर अस्पताल के साइड में पोस्टमार्टम करवाके शव परिजनों को सुपुर्द किये गए. वैसे चिकित्सा स्टाफ को प्रयास करना चाहिए की अगर संभव हो तो शव को नजदीकी मुर्दाघर में ही रखवाया जाए, वरना आपकी मानवता आपकी नौकरी को ले बैठेगी. घटना यूँ थी कि एक महिला घर पर के तार पर कपड़े सुखा रही थी और उसमें बिजली विभाग की लापरवाही से करंट आ गया, महिला की सास बचाने आई तो वो भी चपेट में आ गयी. कौन है असली गुनेहगार ?

जिन्दा की कद्र नहीं और मौत के बाद भी मिल रही पोस्टिंग

हाल ही में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने इक्कीस माह का सर्टिफिकेट कोर्स पूर्ण कर चुके चिकित्सकों के पदस्थापन आदेश जारी किये हैं, इनमे से एक चिकित्सक ऐसे भी हैं जिनका देहांत हो चुका है, लेकिन उनकी नियुक्ति गंगानगर जिले की एक सीएचसी पर की गयी है । गौरतलब है कि चिकित्सा विभाग में पोस्टिंग ट्रांसफर आदि को लेकर खूब उठापटक होती हैं, लोग इधर उधर फेंके जाते हैं, ऐसी स्थिति में एक चिकित्सक देहांत हो चुके चिकित्सक को पोस्टिंग दे देना विभाग के गैर जिम्मेदाराना रवैये को दर्शाता है, पता चलता है कि विभाग का डाटाबेस कितना अपडेट है ।

कोर्ट से स्थगन प्राप्त चिकित्सक हैं राम भरोसे

गलत तबादला किये जाने अथवा अन्य स्थिति में कई बार कार्मिक अदालत जाकर न्याय मांगते हैं और कई बार वो उस तबादले पर स्थगन आदेश ले आते हैं और उन्हें वापस से जॉइन करवाया जाता है, वो भी निदेशालय में, APO मानकर । किसी भी विभाग में ऐसा नहीं होता है कि स्थगन प्राप्त अधिकारी कर्मचारी को निदेशालय में उपस्थिति देनी पड़े वह भी महीनों तक । मेडिकल सुपरिंटेंडेंट के निदेशालय के अधीनस्थ चिकित्सक को सीधे ही ज्वाइन करवाया जाता है, जबकि निदेशालय के अधिनस्थ, पीएमओ ,सीएमएचओ एवम् ब्लॉक सीएमओ के अधीन चिकित्सकों को ही निदेशालय में उपस्थिति देनी पड़ती है । ये लोग न्यायालय के आदेशों की पूर्ण पालना नहीं करना चाहते । जिन की राजनीतिक (₹) पहुंच है वे अपने स्थानांतरण ही निरस्त करवा लेते हैं, बाकी आम कार्मिक भटकते रहते हैं । एपीओ की अधिकतम अवधि फिक्स होनी चाहिए और उसमें कार्मिक के साथ सहयोगात्मक रवैया दिखाते हुए मामले को निपटाया जाना चाहिए, जबकि होता उल्टा है कि जानबूझकर परेशान करने के लिए लटकाया जाता है ताकि कार्मिक सिस्टम के आगे सरेंडर कर दे (₹)।

चिकित्सक हुए लापता, मचा हडकंप

जयपुर के छह दंत चिकित्सक, ठण्ड और बर्फ का लाभ तथा एडवेंचर का मजा लेने जम्मू कश्मीर की वादियों में गए थे, वो वहां की फिजाओं का आनंद ले ही रहे थे कि मौसम ख़राब हो जाने के कारण रास्ता बंद हो गया और मोबाइल नेटवर्क भी गायब हो गया, जिससे इधर हडकंप मच गया, न्यूज एजेंसी ANI पर खबर आने के बाद हालात और ख़राब हो गए, खबर वायरल हो गयी, लेकिन प्रदेश के हर चिकित्सक द्वारा की गयी दुआओं से जल्द ही इंडियन आर्मी ने उन्हें ढूंढ कर सुरक्षित जगह पर रखा, तब जाकर सबने राहत की सांस ली । इंडियन आर्मी जिंदाबाद ।

बाबुओं की हड़ताल से बाबू और चिकित्सक दोनों परेशान

वर्तमान सरकार के अंतिम दिनों में बहुत से संगठन हड़ताल पर हैं और इनमे मंत्रालयिक कार्मिक यानि बाबूजी भी हड़ताल पर हैं, इनके हड़ताल पर जाने से सभी प्रशासनिक कार्य तो ठप्प हुए ही हैं, और भी कई कार्य रुक गए हैं जैसे इस माह की सैलेरी। निदेशालय में भी सन्नाटा पसरा पड़ा है, बाहर चाय की थड़ियों से भी रौनक गायब है। सैलेरी के चक्कर में राजस्थान का हर कर्मचारी बाबुओं की राह ताक रहा है।

अचल संपत्ति की वार्षिक सूचना नहीं देने वालों को एक और मौका

प्रत्येक वर्ष राजकीय अधिकारियों को अपनी संपत्ति का विवरण राज्य सरकार को प्रेषित करनी होती है। इस वर्ष से यह विवरण राज्य सरकार के राज-काज पोर्टल पर अपनी एसएसओ आईडी के माध्यम से ऑनलाइन अपलोड करना था लेकिन तकनीकी खामियों की वजह से बहुत से अधिकारी अपना संपत्ति विवरण अपलोड नहीं कर पाए। राज्य सरकार ने अपलोड नहीं करने वालों की वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने के आदेश जारी कर दिए और बेवजह कार्मिकों को परेशानी उठानी पड़ी। बहुत से संगठनों की तरफ से डिमांड थी कि संपत्ति विवरण अपलोड करने का एक मौका और दिया जाए, पर आल राजस्थान इन सर्विस डॉक्टर्स असोसिएशन ने यह मांग प्रमुखता से रखी और राज्य सरकार ने अक्टूबर माह में पुनः मौका देते हुए राहत प्रदान की है।

सवाई मान सिंह मेडिकल कॉलेज है राजस्थान में अग्रणी

राजस्थान के मेडिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट की तरफ से पहली बार प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों की रेंक लिस्ट जारी की गयी है, जिसमें मुख्य पैरामीटर रिसर्च प्रोडक्टीविटी, नेशनल/इंटरनेशनल जर्नल पब्लिकेशन, छात्रों की परफोर्मेंस, सुविधाएँ जैसे – ई-क्लासरुम, ई-बुक्स, लाइब्रेरी, स्विमिंग पूल, जिम, लैब्स, खेल सुविधाएँ आदि।

Rank	Medical College	Points scored
1	SMS Medical college, Jaipur	81.72
2	SP Medical college, Bikaner	78.61
3	Medical college, Kota	73.46
4	Medical college, Jhalawar	69.91
5	SN Medical college, Jodhpur	68.93
6	RNT Medical college, Udaipur	68.48
7	JLN Medical college, Ajmer	56.63

इन सर्विस पीजी रेजिडेंट्स और सर्टिफिकेट कोर्स चिकित्सकों को मिला पदस्थापन

इन सर्विस रेजिडेंट्स को मुख्यालय पर महीनों तक एपीओ करके रखा गया और अंततः मीडियाबाजी होने के बाद उन्हें पदस्थापित किया गया, यही हाल सर्टिफिकेट कोर्स वाले चिकित्सकों का रहा है उन्हें भी दो सप्ताह यहाँ रखने के बाद पदस्थापित किया गया है, इस से प्रदेश के राजकीय चिकित्सालयों में चिकित्सा व्यवस्थाएं सुदृढ़ होंगीं, हालाँकि सर्टिफिकेट कोर्स का भविष्य अभी अधरझूल में है, जिसकी फाइनल हियरिंग राजस्थान हाई कोर्ट में 12 अक्टूबर को प्रस्तावित है।

सीनियर रेजीडेंसी की बढ़ी चाहत तो मामला गरमाया

एमसीआई द्वारा मेडिकल कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफ़ेसर की नियुक्ति में एक साल की सीनियर रेजीडेंसी की अनिवार्यता किये जाने के बाद से विशेषज्ञों में सीनियर रेजीडेंसी करने की ललक बढ़ी है, जबकि पहले लोग मेडिकल कॉलेज में पड़े रहने या रोजगार अथवा थोड़ा और सीख लेने मात्र के लिए बरसों तक एसआरशिप करते रहते थे। अब बड़ी मांग उठी की एसआरशिप का मौका सभी को मिलना चाहिए, जिस पर शासन उप सचिव, चिकित्सा शिक्षा (ग्रुप 1) से आदेश जारी हुआ और निम्न निर्देश दिए गए –

1. स्नातकोतर सीटों में वृद्धि एवं सहायक आचार्य हेतु अधिकाधिक योग्य अभ्यर्थी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सीनियर रेजीडेंसी की अवधि एक वर्ष की जाती है।
2. जिन सीनियर रेजिडेंट्स द्वारा एक वर्ष की सीनियर रेजीडेंसी पूर्ण कर ली गयी है उन्हें चयन प्रक्रिया में नए सिरे से सम्मिलित होने पर अधिकतम तीन वर्ष की अवधि हेतु पुनर्नियुक्त किया जा सकेगा।
3. परिपत्र जारी होने की दिनांक से पूर्व से कार्यरत सीनियर रेसिडेंट्स की आगे की समयावधिमें वृद्धि नहीं की जायेगी।
4. सीनियर रेजिडेंट्स के समस्त पदों पर चयन हेतु मेडिकल कॉलेज स्तर पर विधिवत विज्ञप्ति जारी कर चयन प्रक्रिया सुनिश्चित करेंगें।

इस फैसले पर जार्ड के डॉ. रवि जाखड़ ने ख़ुशी जताई तथा एसआरशिप के इंतजार में बैठे चिकित्सकों को भी आस नजर आने लगी है, हालाँकि एसआरशिप में जमे बैठे कई चिकित्सक हलके से मायूस हैं, उन्हें अब मेडिकल कॉलेज छोड़, मैदान में उतरना पड़ेगा।

चिकित्सकों के वार्षिक प्रतिवेदन भरे जायेंगे विभागीय अधिकारीयों द्वारा

अरिसदा और चिकित्सकों की लम्बे समय से मांग थी की राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के कार्मिकों के वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन/ Annual Performance Appraisal (APA)/ Annual Confidential Report (ACR) विभागीय अधिकारीयों द्वारा ही भरी जानी चाहिए, जबकि पहले ये रिपोर्ट्स समीक्षा के लिए पंचायती-राज के कार्यकारी अधिकारीयों और जिला कलेक्टर आदि के पास जाती थी। लम्बी लड़ाई के बाद यह आदेश जारी हुआ है की सभी प्रतिवेदन विभागीय अधिकारीयों द्वारा भरे जायेंगे और विभागीय अधिकारी ही समीक्षा करेंगे, यानि पंचायती राज से मुक्ति की दिशा में एक बड़ा कदम राज्य के चिकित्सकों ने रख दिया है। बधाई। कौन अधिकारी किसका प्रतिवेदन भरेगा इसकी जानकारी यहाँ से प्राप्त करें

एक पीएचसी जो है आधुनिक सुविधाओं से लैस

सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ ब्लॉक की पाटोदा आदर्श पीएचसी में हाल ही में दस सीसीटीवी कैमरे दानदाताओं के सहयोग से लगाए गए हैं, पहले से अस्पताल में फायर फाइटिंग, मरीजों के लिए सोफे, चिकित्सक कक्ष में एसी, शानदार गार्डन जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं । संस्थान के कर्मठ चिकित्साधिकारी डॉ. राजीव ढाका का कहना है की उन्होंने अस्पताल के कुशल प्रबंधन हेतु जनसहयोग लिया तथा खुद से भी प्रयास किये, जिनका नतीजा सामने है, सीसीटीवी कैमरों से असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा सकेगी ।

डीएसीपी के इंतजार में पथरा रही आँखें

राजस्थान के युवा सरकारी डॉक्टरों में सबसे ज्यादा की जोइनिंग दिसम्बर 2011 के आस पास की है, इन डॉक्टरों का पहला प्रोमोशन छह साल बाद होना होता है, यानि दिसंबर 2017 में । अरिसदा के लम्बे संघर्ष के बाद समझौता हुआ कि हर वर्ष एक अप्रेल को उस दिन तक होने वाले सभी प्रोमोशन की डीएसीपी लिस्ट जारी कर दी जाएगी, इस समझौता से हर चेहरा खिला हुआ था, लेकिन अप्रैल से अक्टूबर आ गया पर अभी तक लिस्ट की कोई सुचना नहीं हैं, बीच में कई बार सीनियरटी लिस्ट जरूर डाली गयी हैं, लेकिन उनमें भी बेजा खामियां हैं । अप्रेल-मई में तो इन लाभार्थियों ने भाग दौड़ भी मचाई, वाट्सएप पर भी चर्चाएँ चली पर अब आस धूमिल हो चुकी हैं, लगता है नयी सरकार ही सुध लेगी । पर दबी जुबान कुछ डॉक्टर समझौते के सामर्थ्य पर शक कर रहे हैं तो कुछ निदेशालय के बाबूराज को कोस रहे हैं ।

सम्मानित होने वाले डॉक्टर का बाबूराज में हो रहा अपमान

बीकानेर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अजय कपूर को इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाना था, साहब की फ़ाइल बीकानेर से जयपुर, स्वास्थ्य भवन तक पहुँच गयी लेकिन बाबूराज के जाल में अटक गयी, जब सबका सम्मान हो गया और शाहब रह गए तो वे तैश में आकर निदेशालय में भड़के तो जवाब मिला कि स्वतंत्रता दिवस पर फ़ाइल अटक गयी तो क्या हुआ, गणतंत्र दिवस पर करवा लेना सम्मान । जब मामला और आगे बढ़ा तो कमेटी-कमेटी खेला जाने लगा, कहा गया की बाबू पे एक्शन लिया जाएगा, घडी की सूई घूमती जा रही है अभी तो कुछ हुआ नहीं है, लगता है कि गणतंत्र दिवस पर साहब को सम्मानित करवा दिया जाएगा और बाबू फिर से मस्त हो जायेगा ।

चिकित्सा अधिकारीयों की नयी भर्ती में मची हाय तौबा

पिछले सात आठ सालों में ऐसा माहौल था कि हजार चिकित्सकों की भर्ती के लिए विज्ञप्ति निकालो तो मुश्किल से पांच सौ चिकित्सक आते थे, उनमें से भी कई पदस्थापन की जगह से असंतुष्ट होकर ज्वाइन नहीं करते थे जबकि कुछेक ज्वाइन करने के बाद जमीनी हकीकत से घबराकर नौकरी से पलायन करके शहर आकर लाइब्रेरी ज्वाइन कर लेते थे । लेकिन मौसम ने पलटा मारा पिछले दो सालों में 102030 का जादू चला और नए चिकित्सक गांवों की और दौड़ने को तैयार हो गए । पिछले दो सालों में एक भी भर्ती नहीं की गयी थी जिससे बैकलोग बढ़ गया था और आजकल मेडिकल कॉलेजों में सीटें भी काफी बढ़ गयी । मार्च 2018 में पदों के लिए नोटिफिकेशन निकाला गया जिसमें पदों की तुलना में करीब तीन गुना 2633 अभ्यर्थी शामिल हुए और मई में प्रवेश परीक्षा आयोजित हुई, परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद 1090 पदों के लिए डाक्यूमेंट्स का सत्यापन करवाया गया और फिर अगस्त में पोस्टिंग तथा वेटिंग लिस्ट जारी की गयी । लेकिन करीब 1600 चिकित्सक फिर भी रह गए, जो कि राजस्थान की जनता की सेवा करना चाहते हैं पर उनके लिए कोई रोजगार नहीं, कोई नौकरी नहीं । जबकि चिकित्सा मंत्री महोदय का कहना है कि राज्य में 3500 चिकित्सकों की कमी चल रही है, तो क्यों नहीं इन अभ्यर्थियों को सीट बढाकर मौका दिया जाता । अभ्यर्थी निदेशालय, सचिवालय और मंत्री जी की गली के चक्कर काटके थक चुके हैं, विभाग कहता है कि बजट नहीं है और वित्त विभाग कहता है की बजट की कमी नहीं है, उनसे कहा ही नहीं गया है की चिकित्सकों के लिए बजट जारी करो, वरना वो तो तैयार है । आहत अभ्यर्थी जब मंत्री महोदय की सफारी गाड़ी का घेराव करने लगे तो एक अभ्यर्थी ने मंत्री जी से सवाल किया की मुख्यमंत्री मैडम तो गौरव यात्रा में जगह जगह कह रही हैं की बजट की कमी नहीं है और आप हम चिकित्सकों को इस बहाने से नौकरी नहीं दे रहे, तो मंत्री जी का जवाब आया की “मुख्यमंत्री को यात्रा में ऐसी बात कहनी पड़ती हैं” । (वोटों के लिए गोलमोल) । खैर ये चिकित्सक भटक रहे हैं, देखते हैं इनकी सुध कौन लेता है, अभी कुछ होता है या नई सरकार में ?

लैब टेक्नीशियन होंगें आरएमआरएस के मेम्बर

आरएमआरएस हर अस्पताल का एक महत्वपूर्ण अंग है जो संस्था की प्रशासनिक, वित्तीय, विकास कार्यों के किर्यान्विन को सम्पादित करती है, पूर्व में इसके अध्यक्ष पंचायतीराज विभाग के अधिकारी थे परन्तु अरिसदा के संघर्ष से इनसे छुटकारा मिला और विभागीय अधिकारी ही इसके अध्यक्ष बने, इसी क्रम में लैब टेक्नीशियन भी चाहते थे उनका योगदान समिति में हो, सो सरकार ने आदेश जारी किये हैं कि वरिष्ठतम लैब टेक्नीशियन को समिति का सदस्य नियुक्त किया जाए ।

पे-मैनेजर पर मोबाईल वैरिफिकेशन कैसे करें ?

STEPS TO FOLLOW -
www.paymanager2.raj.nic.in पर जाकर करके अपनी employee id और password डालकर login करें ।
सबसे ऊपर बांयी ओर employee corner पर क्लिक करें ।
उसके पश्चात सबसे आखिरी ऑप्शन employee detail verify पर क्लिक करें ।
अब आपको आपका gpf number,mail id, mobile number ,PAN , Aadhaar number दिखाई देंगे ।
फिर नंबर अपडेट करें और Generate OTP कर लें, मोबाइल पर आये OTP को डालकर Submit करें ।
आपको वैरिफिकेशन successful का मैसेज आयेगा और वैरिफिकेशन पूरा हो जायेगा।
2004 के बाद वाले कार्मिक GPF नम्बर के स्थान पर जीरो लिख दें (0) ।

विस्तृत खबर के लिए यहाँ क्लिक करें »

राजकीय पत्र व्यव्हार करते समय रखें इन बातों का ध्यान

राजकीय पत्र व्यव्हार के समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए इसके लिए राजस्थान के प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग (अनुभाग-1) ने दिशा निर्देश जारी किये हैं, जिसके अनुसार समस्त अधिकारीगण से यह अपेक्षा की जाती है की राजकीय पत्र व्यवहार करते समय पत्र पर अपने हस्ताक्षर के नीचे तिथि, अधिकारी का नाम, पदनाम अंकित करने के साथ साथ पत्र के आधार (Bottom) पर पत्र जारी किये जाने वाले कार्यालय का पता, दूरभाष नम्बर, फैक्स नम्बर, विभागीय वेबसाइट तथा अधिकारी कार्यालय की ई-मेल आईडी अंकित की जावे, जिससे शासन तंत्र में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित हो सके ।

विस्तृत खबर के लिए यहाँ क्लिक करें »

पुलिस तहरीर : अहम् जानकारी

कोई भी चोट प्रतिवेदन रिपोर्ट बनाने के लिए संबंधित पुलिस थाने से तहरीर लेने से कुछ जरूरी पर बहुत ख़ास बातो का ध्यान जरूर रखना चाहिए
1) कार्यालय का नाम, मोहर एवमं साईन
2) डिस्पेच नंबर
3) मजरुब का पूरा नाम, पिता का नाम, उम्र, धर्म एवम पूर्ण पता
4) मजरुब की चोटो का पूर्ण विवरण (अगर सही से न लिखा हो तो साथ आये पुलिसकर्मी को बोले कि सभी चोटे अंकित करे)
सिंतबर 2018 के हाल ही के मामले में न्यायाधीश मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, बूंदी ने एक ऐसे ही मामले में मेडिकल ज्यूरिस्ट महोदय को धारा 193 भा. द. स. अन्तर्गत नोटिस थमाया गया है, जिसके अनुसार आपने दुरभि संधि करते हुए प्रार्थी को अधिकाधिक क्लेम लाभ दिलाने के उद्देष्य से 76 की जगह 55 उम्र लिख कर दी । जबकि 2014 के इस मामले के समय पुलिस तहरीर ने उक्त में स्पष्ठ रुप से उम्र 55 साल लिख रखी थी ।

सरकारी सीट पर पीजी करके फरार हो चुके डॉक्टरों के पीछे पड़ा चिकित्सा विभाग

गौरतलब है की चिकित्सक पीजी कोर्स करके बड़े डॉक्टर बनना चाहते हैं और फिर जिन्दगी में कुछ बड़ा करना चाहते हैं, पीजी करने का आसान तरीका है की पहले ग्रामीण सेवा ज्वाइन करो फिर कोटे से (अब बोनस अंक) आसान प्रवेश लेकर पीजी करलो । इस आसान प्रवेश के बदले में सरकार चाहती है की वापस आकर ये चिकित्सक ग्रामीण जनता की सेवा करें, इसलिए वो पांच साल की कम से कम सेवा इनसे चाहती है अन्यथा पच्चीस लाख का बांड (वर्तमान में) भरवाती है । पिछले कई सालों में बहुत से चिकित्सकों ने सरकारी कोटे से पीजी पूर्ण की है और वापस से सेवा ज्वाइन की है लेकिन करीब तीस फीसदी चिकित्सक बिना बांड के पैसे दिए ही सेवा छोड़कर चंपत हो गए हैं, अब विभाग इन्हें तलाश रहा है और चाहता है की या तो ये वापस आकर सेवा ज्वाइन कर लें अथवा बांड की राशी दे जाएँ । इनमें से अधिकांश चिकित्सक ऐसी ब्रांच से हैं जिनमें वो सरकारी के बजाय प्राइवेट में जाकर, बड़े से भी बहुत बड़ा कर सकते हैं । इनमें से कुछ ऐसे भी हैं जो मनचाही जगह पोस्टिंग न मिलने अथवा सरकारी सिस्टम से आहत होकर नौकरी छोड़ गये हैं । विभाग ने पिछले चार सालों में गायब हुए चिकित्सकों को नोटिस जारी किये हैं ।

बहन जी का कमाल, कागज़ का वार

जुलाई माह में राजसमन्द जिले में, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस के दिन एक बहन जी दोपहर को करीब एक बजे अस्पताल पधारी, वैसे वो आदतन इसे ही पधारा करती थीं, डॉक्टर शाहब थोड़े नए थे, सिस्टम से तालमेल बैठा नहीं पाए थे सो बहनजी को उलाहना दे दिया की यह कौनसा वक़्त है ड्यूटी पर आने का, बहन जी उल्टे सीधे बहाने बनाने लगी तो मौके पर ही शाहब ने हाथ से ही नोटिस बनाकर बहन जी को थमा दिया, बहन जी कागज को फाड़ शाहब पर ही फेंक दिया, बात बढ़ी तो शाहब ने बहनजी को जिला मुख्यालय के लिए कार्यमुक्त कर दिया। यहाँ तक सब सामान्य था, लेकिन आगे शुरू हुआ खेल, जिसमें जिला स्तर से, बहन जी को चेतावनी देते हुए वापस से उसी जगह ससम्मान भेज दिया गया, साथ ही शाहब का जिले के बॉर्डर वाली दूरस्थ पीएचसी पर डेपुटेशन कर दिया गया। जिले के "बड़े शाहब" ने इसे संयोग बताया। मामला बढ़कर राज्य स्तर तक पहुँच जाने के बाद और जिला अरिसदा ने सुलह करवाई और अब, सब साथ साथ हैं।

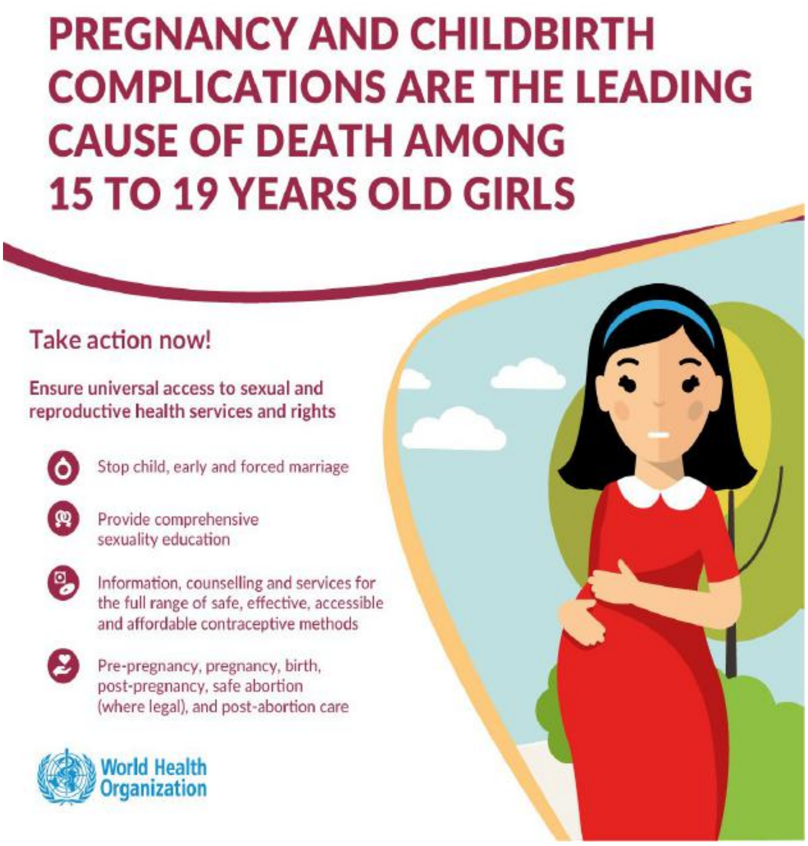

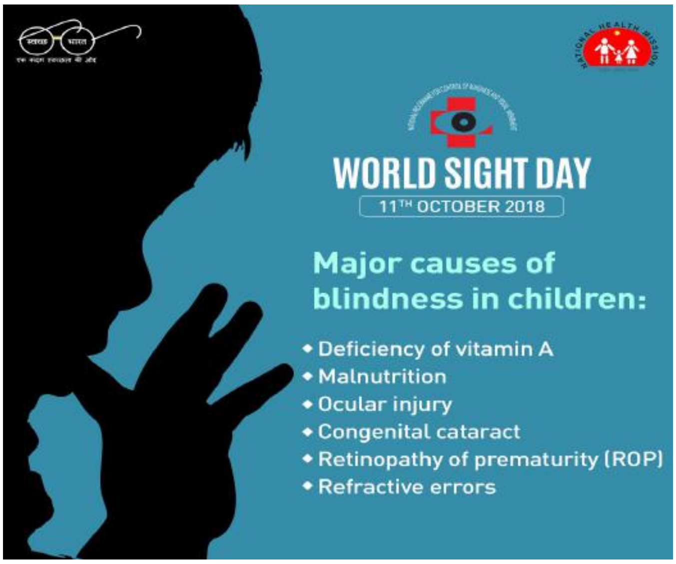

अरिसदा द्वारा किये गए संघर्ष के कुछ परिणाम –

हड़ताल के समय की समस्त कारवाई निरस्त
आरएएस अधिकारी को हटाया गया
रेशमा के केस वापस हो रहे हैं
हड़ताल की छुट्टियाँ नियमित करना
ग्रेड पे 8700 की कैपिंग 18% ख़तम
डीएसीपी का देय तिथि से भुगतान
पोस्टमार्टम भत्ता हुआ प्रारंभ
विदेश यात्रा अनुमति नियमों में छूट
ग्रामीण चिकित्सकों के पीजी हित सुरक्षित
एसीआर भरेंगे विभागीय अधिकारी
आरएमआरएस के अध्यक्ष होंगें विभागीय अधिकारी
सीएमएचओ को नए वाहन की उपलब्धता
जेडी ऑफिसों में विधि सहायकों का पद
2009-10 के डीपीसी चिकित्सकों को डीएसीपी
एसआरशिप में सेवारत चिकित्सकों को अनुमति
रेजिडेंट्स की ग्यारह सूत्री मांगें माना जाना
पूर्व में देय एरियर की वसूली पर रोक
एडहोक बीडीएस एरियर भुगतान
ग्रामीण भत्ता हुआ दुगुना
सभी विभागों ने दी चिकित्सक आन्दोलन की दाद
चिकित्सकों में जागा आत्मविश्वास और आत्मसम्मान
मांगें बहुत हैं और सफ़र लम्बा.. सब लेके रहेंगे

डॉ. अजय चौधरी
अध्यक्ष, अरिसदा

GOT NEWS? GOT TIPS? GOT PHOTOS?

Tell us what's happening. Remember to tell Who, What, When, Where. You can send us an article, news, information or photos if you like.

Email your stories and comments to sarkaridoctor@gmail.com
We will read all of your emails.
Email your pictures, video or audio to us.
In some cases your images or audio may be used in our Newsletter.

If we use your material online we will not publish your name as you provide it (if you want to publish than we may do so) but we will never publish your email address.

Scan me

POINT AND SHARE

Now, open Booster Dose Newsletter on your Smart-phone instantly. Point your phone's scanner on the code and align it in the frame. You will be guided instantly to our website, www.sarkaridoctor.com This is useful to share our stories on social media or email them.

SARKARIDOCTOR.COM

Head Office
112A, Nirman Nagar, Jaipur – 302019
e-mail: sarkaridoctor@gmail.com
Printed and published by Sarkari Doctor.

Published for month of June to Augest, 2018
Release on Sept 15, 2018
Total no. of pages 20, Including Covers